ont>

Title: Regarding problems being faced by powerloom sector due to levy.

MR. SPEAKER: Now, we will take up 'Zero Hour'. I give the floor to Shri Shriprakash Jaiswal.

श्री श्रीप्रकाश जायसवाल (कानपुर) : अध्यक्ष जी, लगभग तीन सप्ताह पहले आपकी अनुमति से लोक सभा में यह चर्चा हुई कि छोटे-छोटे पावरलूम चलाने वाले जो हैं।â€¦ (व्यवधान)

कुमारी ममता बनर्जी (कलकत्ता दक्षिण) : सर, हमको पहले बोलना था।â€¦ (व्यवधान)

MR. SPEAKER: I am going to permit you after him. Since the Minister is here, and he wants a reply from the Minister and, I have called his name. इसके बाद मैं आपको ही अनुमति देने वाला हूं।

श्री श्रीप्रकाश जायसवाल : सर, आपकी अनुमति से लोक सभा में यह चर्चा हुई थी।â€¦ (व्यवधान)

श्री राम विलास पासवान (हाजीपुर) : सर, मेरा प्रीवलेज-मोशन है।â€¦ (व्यवधान)सर, कुछ लोगों ने कहा है कि हमारे कहने के ऊपर गुजरात सरकार क्रिश्चयन्स के ऊपर जांच कर रही है, यह बिल्कुल गलत है। मैंने प्रीवलेज-मोशन दिया है। सदन की प्रोसिडिंग्स आपके पास हैं, क्वैश्चन्स आपके पास हैं। एक मैम्बर का नाम लेकर यह अपने कुकर्मों को हमारे नाम पर करना चाहते हैं।â€¦ (व्यवधान)मैंने प्रीवलेज-मोशन दिया है।

MR. SPEAKER: Your matter is under my consideration.

श्री श्रीप्रकाश जायसवाल : सर, माननीय वित्त-मंत्री जी को कृपा करके बुला लें। आज ही फैसला हो जाएगा।

MR. SPEAKER: Shri Jaiswal, you must request the Minister to remain in the House.

श्री पवन कुमार बंसल (चंडीगढ़) : सर, माननीय मंत्री जी चले गये हैं, ऐसे कैसे हाउस चलेगा। उन्हें उपस्थित रहना चाहिये था। Sir, this is a contempt of the House.

अध्यक्ष महोदय : जायसवाल जी, आज तो फैसला नहीं हो पाएगा। मुझे मालूम था, इसलिए मैं भी देख रहा था। मैं उन्हें बुलाने की कोशिश कर रहा हूं।

प्रो. रासा सिंह रावत (अजमेर) : अध्यक्ष जी, देशभक्त लोगों पर राजस्थान में आरोप लगाए जा रहे हैं। राजस्थान में लोकतंत्र की खुले-आम हत्या हो रही है।

अध्यक्ष महोदय : मैंने कहा है कि मैं आपको पर्मिशन देने वाला हूं।

SHRI SUDIP BANDYOPADHYAY (CALCUTTA NORTH WEST): Sir, now, you may call Kumari Mamata Banerjee. ...(*Interruptions*)

MR. SPEAKER: I have sent a message, so you can go on Shri Jaiswal.

श्री श्रीप्रकाश जायसवाल : सर, मैं चाहता था कि माननीय वित्त मंत्री जी यहां आ जाते, उसके बाद चर्चा होती। सर, लगभग तीन सप्ताह पहले, आपकी अनुमति से यहां पर चर्चा हुई थी। पहली अप्रैल से देशभर के छोटे-छोटे पावरलूमों और हथकरघा वालों पर तथा देश के छोटे-छोटे रेडीमेड वस्त्र बनाने वालों पर एक्साइज-ड्यूटी इम्पोज कर दी गयी है। इससे पहले की स्थिति .यह थी कि छोटे-छोटे पावरलूम वालों को एक्साइज-ड्यूटी सरकार को नहीं देनी पड़ती थी। अगर उन्हें पावरलूम के द्वारा कपड़े का उत्पादन करना है तो वे जो सूत खरीदते थे, उस सूत पर उन्हें एक्साइज-ड्यूटी अदा करनी पड़ती थी और सूत बनाने वाले कारखाने सरकार के पास एक्साइज-ड्यूटी अदा कर देते थे। लेकिन पिछली बार जब बजट प्रस्तुत हुआ तो ऐसे छोटे-छोटे पावरलूम वालों पर, जो एक्साइज-ड्यूटी मिलों के माध्यम से सूत पर अदा करते थे, उन पर यह एक्साइज-ड्यूटी साढ़े आठ प्रतिशत की जगह ग्यारह प्रतिशत इम्पोज कर दी गयी। इसी तरह से रेडीमेड वस्त्र बनाने वालों को एक करोड़ रुपये की छूट दी गयी थी। एक करोड़ रुपये के ऊपर का उत्पादन करने वाले जो वस्त्र निर्माता थे, केवल वही एक्साइज-ड्यूटी के अंतर्गत आते थे। लेकिन पिछले बजट में इन छोटे-छोटे पावरलूम वालों और छोटे-छोटे रेडीमेड वस्त्र बनाने वालों पर भी एक्साइज-ड्यूटी इम्पोज कर दी गयी। मेरा सब्मिशन यह है कि सूत जहां से खरीदा जाता है, कपड़ा जहां से खरीदा जाता है, रेडीमेड वस्त्र निर्माता जहां से कपड़ा खरीदते हैं, वे वहां एक्साइज-ड्यूटी अदा करते हैं। पावरलूम चलाने वाले जहां से सूत खरीदते हैं, वे वहां एक्साइज-ड्यूटी अदा करते हैं, तो सरकार को आज ऐसी क्या जरुरत आ पड़ी कि छोटे पावरलूम वालों और रेडीमेड वस्त्र बनाने वालों पर एक्साइज-ड्यूटी इम्पोज कर दी गयी। सर, इससे साफ इंगित होता है कि मल्टीनेशनल और देश के बड़े-बड़े अरबपति जो कपड़ा बनाते हैं, उनके दबाव में, इस सरकार ने छोटे पावरलूम वालों और रेडीमेड वस्त्र बनाने वालों पर एक्साइज-ड्यूटी इम्पोज की है। सर, मैं सरकार से अनुरोध करना चाहता हूं कि अगर सरकार को एक्साइज-ड्यूटी बढ़ाने की आवश्यकता थी तो सरकार यह भी कर सकती थी कि सूत पर एक्साइज ड्यूटी जो पहले आठ प्रतिशत थी, उसे बढ़ाकर 11 प्रतिशत कर सकती थी।

DR. NITISH SENGUPTA (CONTAI): Sir, this issue cannot be discussed because neither the Textiles Minister nor the Finance Minister is present in the House. When nobody is there, how can this topic be discussed? ...(*Interruptions*)

SHRI SOMNATH CHATTERJEE : Sir, this is a very important issue.

SHRI SUDIP BANDYOPADHYAY: Sir, we will also take part in this discussion. Where is the Minister? Please allow Kumari Mamata Banerjee to speak.

श्री चन्द्रकांत खैरे (औरंगाबाद, महाराट्र) : सर, मंत्री जी यहां नहीं है, यह तीन करोड़ लोगों का सवाल है।

श्री श्रीप्रकाश जायसवाल : सर, इसी तरह से सरकार जो रेडीमेड वस्त्र बनाने वाले थे, उन पर एक्साइज-ड्यूटी की दर बढ़ाकर ज्यादा पैसा इकट्ठा कर सकती थी। छोटे-छोटे कामगारों और छोटे-छोटे लघु-उद्योग चलाने वालों के ऊपर एक्साइज-ड्यूटी लगाकर सरकार ने उन पर जो कुठाराघात किया है, वह गलत है। सरकार

लोगों को रोजगार तो दे नहीं पा रही है।

सरकार का इन्फ्रास्ट्रक्चर ऐसा नहीं है कि कोई मल्टीनेशनल रोजगार देने के लिए देश में उद्योग धन्धा लगा दे। करोड़ो लोग इन उद्योग धन्धों में लगे हुए हैं, लेकिन यह सरकार उनसे रोजगार छीन लेना चाहती है। इसका परिणाम यह है कि पिछले तीन सप्ताह से पूरे देश में बुनकरों ने हड़ताल कर रखी है और रैडीमेड गारमेंट्स बनाने वालों ने भी हड़ताल कर रखी है। सबसे बड़ा दुर्भाग्य यह है कि सरकार ने अभी तक इस दिशा में कोई फैसला नहीं लिया है, जबकि सभी राजनीतिक दलों के सदस्यों ने सदन में यह बात उठाई थी और सरकार पर दबाव डालने की कोशिश की थी। सरकार को लगाई गई एक्साइज ड्यूटी को वापिस ले लेना चाहिए। बुनकर भुखमरी के शिकार हो रहे हैं। हमारे कानपुर शहर में तो लाखों बुनकर हैं और सारे के सारे करघे बन्द पड़े हैं। यहां काम करने वाले बुनकर भूखों मर रहे हैं। यही स्थिति रैडीमेड वस्त्र बनाने वालों की है। कानपुर, बनारस, मऊ और मऊरानीपुर शहरों में सारे के सारे धन्धे चौपट पड़े हैं, लेकिन सरकार कोई निर्णय नहीं लेती है। हमारा आपके माध्यम से सरकार से आग्रह है कि जिस मुद्दे पर सदन के सारे माननीय सदस्य, चाहे पक्ष हो या विपक्ष, एकजुट हैं, तो सरकार को इस विाय पर तुरन्त फैसला ले लेना चाहिए और एक्साइज ड्यूटी जो लगाई गई है, उसको तुरन्त वापिस ले लेना चाहिए। पहले एक करोड़ तक उत्पादन पर छूट थी, उस छूट को समाप्त किया गया है, इस सुविधा को तुरन्त बहाल करना चाहिए। â€¦ (व्यवधान)

SHRI RUPCHAND PAL (HOOGLY): We all support him, Sir.

SHRI CHANDRAKANT KHAIRE : Sir, we associate with the hon. Member on this issue.

MR. SPEAKER: I have received notice from Shri Shivraj V. Patil on the same issue and I permit him to speak.

KUMARI MAMATA BANERJEE : Sir, allow a full discussion on this. â€¦ (व्यवधान)

श्री रामजीलाल सुमन (फिरोजाबाद) : महोदय, यह सवाल पहले भी सदन में उठा है। सरकार उपेक्षा कर रही है और जो रैडीमेड गार्मेंट्स व हैंडलूम पर एक्साइज ड्यूटी लगाई गई है, उसको सरकार को वापिस लेना चाहिए। लेकिन सरकार का कोई पोजिटिव रिसपांस नहीं है। बहुत गम्भीर मामला है। वित्त मंत्री जी को सदन में उपस्थित होना चाहिए था। â€¦ (व्यवधान)

श्री शंकर प्रसाद जायसवाल (वाराणसी) : महोदय, छोटे-छोटे उद्योग एक्साइज ड्युटी से बहुत परेशान हैं। इस विाय में हमारी भी यही राय है। â€¦ (व्यवधान)

KUMARI MAMATA BANERJEE : Sir, this is a separate issue. Please allow me.

MR. SPEAKER: After this issue is over, I will permit you.

KUMARI MAMATA BANERJEE : We want to speak on this issue also.

MR. SPEAKER: This issue will not go on for more than five minutes.

श्री शिवराज वि.पाटील : महोदय, यह बहुत ही गम्भीर मसला है और इस विाय को पहले भी सदन में उठाया गया था और आज भी उठाया जा रहा है। जब सदन में फाइनेंस बिल पर चर्चा होगी, तब भी इस विाय पर चर्चा होगी।

MR. SPEAKER: You are absolutely right.

श्री शिवराज वि.पाटील : महोदय, खेती में काम करने वाले मजदूरों के बाद देश में सबसे बड़ी संख्या टैक्सटाइल मिल, हैडलूम और पावरलूम में काम करने वाले मजदूरों की है। अगर हमारे देश में लोगों को काम देना है, तो हैंडलूम और पावरलूम चलते रहने चाहिए। इस बात को ध्यान में रखकर ही पावरलूम और हैंडलूम द्वारा जो कपड़ा निकलता है, उस पर टैक्स लगाना नहीं चाहिए। इस बारे में सोचना बहुत जरूरी है। मैं ऐसा मानता हूं कि हैंडलूम और पावरलूम हमारे देश में उस वक्त के उद्योग में से हैं, जब हमारे देश में उद्योग आए भी नहीं थे और उन पर हमारे देश के लोग काम करना जानते हैं। उन लोगों को बेकार करके इस तरह से खजाने में पैसा लाने से फायदा नहीं होगा। इसलिए मेरी विनती है कि इस विाय पर सदन में चर्चा होनी चाहिए। फाइनेंस बिल सदन में प्रस्तुत होने से पहले चर्चा होनी चाहिए। यह इसलिए कि अगर फाइनेंस बिल सदन में आ गया तो उस समय यदि कुछ करना होगा, तो नहीं किया जा सकता है। इसलिए फाइनेंस बिल आने से पहले कोई निर्णय होता है, तो अच्छी बात है। इस विाय पर चर्चा के लिए वित्त मंत्री जी हमें बुला सकते थे, लेकिन वे सदन में उपस्थित नहीं हैं।

वह यहां नहीं हैं तो उनको कहा जा सकता है कि जिन की इस विाय में रुचि है, उनसे वह चर्चा करें और कोई मार्ग निकालें ताकि लोग बेरोजगार न हों और पुरानी इंडस्ट्री बेकार न हो। इतनी ही मेरी आपसे दरख्वास्त है। â€¦ (व्यवधान)

SHRI H.D. DEVE GOWDA : Sir, you have already permitted Shri Shivraj Patil and others to raise the issue pertaining to the powerloom sector. That is why I did not want to waste the time of this House.

Yesterday I was in Karnataka. Bijapur is a district known for the powerloom and handloom industries. More than ten thousand people belonging to the weavers bureau have tried to blame me that you people have only fought against the imposition of the additional tax on urea and that you have not done enough for the cause of the weavers. But the fact of the matter is that the Prime Minister had asked the Finance Minister to act according to his conscience and while replying to the debate on the General Budget the Finance Minister announced in this very House that he was going to withdraw it because his conscience dictated him to do so on the advice of the Prime Minister.

For more than 21 days, the workers of the powerloom industry have been on strike not only in Karnataka, but in the whole country. After agriculture, the second largest workforce depends on the handloom and the powerloom industry. They account for more than ten crore people in the whole country. In Karnataka alone, more than thirty lakh people have been struggling for the last 21 days. The allegation made by the weavers bureau is that we are

only fighting for the cause of the farmers and we do not want to pick up the issue of weavers and I have been unnecessarly blamed for that. That is why I came to your Chamber and gave a notice of Adjournment Motion today. I do not want to pick up a quarrel with anybody. I only appeal to the hon. Members of this House. Let the Finance Minister come to the House tomorrow because the Finance Bill is going to be taken up only by the end of this Session.

More than ten crore people who depend on this sector have no job today. The weavers have been asked to go home because the powerloom sector has been closed totally. I humbly appeal to the Finance Minister to come to the House tomorrow and announce some relief to this section of the people. Please do not wait till the Finance Bill is taken up for discussion. I make this appeal with folded hands to the Government, the Finance Minister and the Prime Minister also. Let them take care of this second largest workforce who are in the handloom and the powerloom industries. This is all I want to submit. Thank you.

अध्यक्ष महोदयः आप सब लोग जानते हैं कि इस विाय पर पहले बहुत चर्चा हुई थी। मैंने जीरो आवर में आधा घंटा इस विाय को दिया था। सदन की भावना वित्त मंत्री जी को मालूम है। इस विाय पर कोई चर्चा करना अभी बाकी नहीं रहा है। वित्त विधेयक के समय इस पर चर्चा हो सकती है।

....(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदयः मैंने अपनी बात पूरी नहीं की है। प्लीज, सुनिए। शिवराज पाटील जी ने यहां सुझाव दिया कि दूसरे किसी माध्यम से यह विाय चर्चा के लिए यहां आना चाहिए। मैं सभी लोगों के साथ बैठ कर यह विाय चर्चा के लिए यहां लाना चाहता हूं। वित्त मंत्री की सुविधा देख कर, मैं यह विाय जरूर यहां लाऊंगा और हम इस पर चर्चा करेंगे। आपका इस बारे में क्या सुझाव है, इतना ही कहिए। मैं अब कुमारी ममता बनर्जी को बोलने की इजाजत दे रहा हूं।

â€¦ (व्यवधान)

श्री मदन लाल खुराना (दिल्ली सदर) :अध्यक्ष महोदय, अभी पाटील साहब ने यह मामला उठाया। सत्ता पक्ष के लोगों ने भी पहले यह मामला उठाया था। चाहे वैट का मामला हो या रेडिमेड गारमैंट्स का मामला हो, â€¦ (व्यवधान)

अध्यक्ष महोदयः अभी इस पर चर्चा करने की जरूरत नहीं है। हम इस पर बाद में चर्चा करेंगे। अभी चर्चा करने से क्या फायदा होगा क्योंकि अभी मंत्री जी यहां नहीं हैं।

â€¦ (व्यवधान)

SHRI PRIYA RANJAN DASMUNSI : Sir, the Finance Minister should have come forward...(*Interruptions*)

SHRI SUDIP BANDYOPADHYAY : Sir, now please allow our Bengal issue to be raised...(*Interruptions*)â€¦This matter can be discussed in detail, later on. ...(*Interruptions*)â€¦Ours is a very important issue...(*Interruptions*)

MR. SPEAKER: Hon. Members, please sit down.

...(*Interruptions*)

अध्यक्ष महोदयः जब इस विाय पर चर्चा होगी, मैं उस समय आपको बोलने की इजाजत दूंगा।

â€¦ (व्यवधान)

MR. SPEAKER: Now, Kumari Mamata Banerjee.

...(*Interruptions*)

अध्यक्ष महोदयः खैरे जी, बैठिए। जब इस विाय पर चर्चा होगी, उस समय आपको बोलने का मौका दूंगा।

â€¦ (व्यवधान)

श्री रामजीलाल सुमन : अध्यक्ष महोदय, जो सवाल जायसवाल जी ने उठाया, हम उसे पहले भी उठा चुके हैं।

अध्यक्ष महोदयः मुझे मालूम है।

श्री रामजीलाल सुमन : यह एक बहुत गम्भीर मामला है। कृाि के बाद यह रोजगार का सबसे बड़ा क्षेत्र है। â€¦ (व्यवधान)

अध्यक्ष महोदयः जब इस विाय पर चर्चा होगी, आप उस समय बोल सकते हैं।

â€¦ (व्यवधान)

श्री मदन लाल खुराना :अध्यक्ष महोदय, मेरी प्रार्थना है कि इसे पार्टी का मामला न बनाया जाए क्योंकि यह आम सदस्यों की भावना का सवाल है। â€¦ (व्यवधान)हमने अपनी पार्टी में यह मामला उठाया। â€¦ (व्यवधान)

SHRI PRIYA RANJAN DASMUNSI : Sir, the Finance Minister should have been here....(*Interruptions*)

MR. SPEAKER: Probably, he is busy in the other House.

...(*Interruptions*)

श्री प्रियरंजन दासमुंशी :अध्यक्ष महोदय, वित्त मंत्री को यहां बुलाइए और उन्हें आने के लिए कहिए। â€¦ (व्यवधान)

अध्यक्ष महोदयः खुराना जी, आप बैठिए।

â€¦ (व्यवधान)

अध्यक्ष महोदयः मैं ऐसा समझता हूं कि इस विाय पर सभी एकमत हैं। जब इस विाय पर चर्चा होगी, उस समय आप सब बोल सकते हैं। मैंने अभी कुमारी ममता बनर्जी को बोलने की इजाजत दी है।

□□ (व्यवधान)

अध्यक्ष महोदयः मैंने ममता जी को इजाजत दी है। आप बैठिये और उन्हें बोलने दीजिये।

...(व्यवधान)

श्री प्रियरंजन दासमुंशी :अध्यक्ष जी, व्यापारी मंडल ने इन लोगों को बोलने नहीं दियाâ€¦ (व्यवधान) â€¦ व्यापारी मंडल ने इन को छोड़ दियाâ€¦ (व्यवधान)

श्री रामजीलाल सुमन : अध्यक्ष जी, मुझे आधा मिनट दीजिये।

अध्यक्ष महोदय : सुमन जी, क्या आप चाहते कि दूसरे विाय यहां न आयें। आपको आधा मिनट भी नहीं मिलेगा। इस समय मेरे सामने 23 विाय हैं और मैं सभी विाय लेना चाहता हूं और ये विाय एक-एक मिनट में पूरे हो जायेंगे।

...(*Interruptions*)

MR. SPEAKER: Please sit down.

...(*Interruptions*)